# प्रारंभिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2007-2008


मार्गदर्शक
डॉ. एम.यु. पैड़ली
वाचक (शिक्षा विभाग)

शोधकर्ता
परमार हरेश
एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

# प्रारंभिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT
D- 253

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2007–2008

मार्गदर्शक
डॉ. एम.यु. पैइली
प्रवाचक (शिक्षा विभाग)

शोधकर्ता
परमार हरेश
एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

# घोषणा–पत्र

मैं परमार हरेश आर. एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करता हूँ कि **''प्रारंभिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन''** नामक शीर्षक पर लघु शोध प्रबंध 2007–08, में डॉ.एम.यु.पैइली, प्रवाचक शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

इस शोध में किये गये प्रदत्त एवं सूचनाऐं विश्वसनीय स्त्रोंतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त की गई है। तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2007–08 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। इस लघु शोध का उपयोग अन्य उपाधी के लिये प्रस्तुत नहीं किया जायेगा।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 15 अप्रैल 2008

शोधकर्ता

**परमार हरेश**

**एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र**

**क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)**

**भोपाल (म.प्र.)**

# प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि परमार हरेश आर. एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल (म.प्र.)के बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल ने **''प्रारंभिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन''** लघु शोध प्रबंध मेरे निर्देशन में विधिवत पूर्ण किया है। लघु शोध मौखिक है जो इनकी लगन और निष्ठा से किया गया प्रयास है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 2007–2008 की शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एड.) की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान : क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांक : 15 अप्रैल 2008

मार्गदर्शक

डॉ. एम.यु. पैइली
प्रवाचक (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

# आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध संबंधी कार्य के निर्देशन का सम्पूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्रद्धेय डॉ. एम.यु. पैइली प्रवाचक (शिक्षा विभाग), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का है। जिनके निरंतर आत्मयिता और वात्सल्यपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन में यह शोध कार्य पूर्ण हो सका है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध आपके द्वारा शोधकार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है, जिन्होनें मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएवं मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं अपने आदरणीय प्रो. ए.बी. सक्सेना, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा अधिष्ठाता प्रो. एस.ए.शफी एवं विभागाध्यक्ष प्रो.डॉ.जी.एन.पी. श्रीवास्तव के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आर्शीवाद हेतु हृदय से आभारी हूँ। एम.एड. प्रभारी डॉ.बी.रमेश बाबू का भी आभारी हूँ एवं सभी गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के.त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूँ।

मैं मेरे करीबी मित्र तथा सहपाठियों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य के दौरान सहयोग के लिए आभारी हूँ। अपने आदरणीय माता-पिता, भाई-बहन तथा परिवार के शुभचिन्तकों का जीवनपर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होनें मेरे अध्ययन में महात्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु मन धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 15 अप्रैल 2008

परमार हरेश
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

# अनुक्रमणिका


| | | | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| **अध्याय –I** | **प्रस्तावना** | | **1–15** |
| 1.1 | भूमिका | | 1 |
| | 1.1.1 | पर्यावरणीय शिक्षा | 2 |
| | 1.1.2 | स्थानीय स्तर पर पर्यावरणीय जागरूकता | 7 |
| | 1.1.3 | राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरणीय जागरूकता | 8 |
| | 1.1.4 | अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरणीय जागरूकता | 9 |
| 1.2 | अध्ययन की आवश्यकता | | 11 |
| 1.3 | समस्या का कथन | | 12 |
| 1.4 | शोध कार्य के उददेश्य | | 13 |
| 1.5 | परिकल्पना | | 13 |
| 1.6 | तकनकी शब्दों की परिभाषा | | 14 |
| 1.7 | अध्ययन का सीमांकन | | 15 |
| **अध्याय –II** | **सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन** | | 16–25 |
| 2.1 | भूमिका | | 16 |
| 2.2 | सम्बन्धित शोध कार्य का पुनरावलोकन | | 17 |
| 2.3 | उपसंहार | | 25 |
| **अध्याय –III** | **शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया** | | 26–31 |
| 3.1 | भूमिका | | 26 |
| 3.2 | न्यादर्श का चयन | | 27 |
| 3.3 | चर | | 28 |
| 3.4 | उपकरण | | 29 |

| | | |
|---|---|---|
| 3.5 | प्रदत्तों का संकलन | 30 |
| 3.6 | सांख्यिकीय का उपयोग | 31 |
| अध्याय –IV | **प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या** | 32–39 |
| 4.1 | भूमिका | 32 |
| 4.2 | प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या | 33 |
| अध्याय –V | **शोध निष्कर्ष एवं सुझाव** | 40–49 |
| 5.1 | भूमिका | 40 |
| 5.2 | समस्या का कथन | 40 |
| 5.3 | शोध के उददे्श्य | 40 |
| 5.4 | परिकल्पना | 41 |
| 5.5 | चर | 41 |
| 5.6 | न्यादर्श | 42 |
| 5.7 | उपकरण | 42 |
| 5.8 | प्रदत्तों का विश्लेषण | 43 |
| 5.9 | मुख्य परिणाम | 43 |
| 5.10 | निष्कर्ष | 43 |
| 5.11 | शैक्षिक सुझाव | 44 |
| 5.12 | भविष्य के लिए शोध सुझाव | 46 |
| 5.13 | पर्यावरणवादी | 47 |
| | **संदर्भ ग्रंथ सूची** | 50–51 |
| | **परिशिष्ट** | |
| | अ. पर्यावरण जागरूकता परीक्षण | |

# तालिका सूची


| | | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 3.2.1 | न्यादर्श का विवरण | 28 |
| 3.5.1 | प्रदत्तों का संग्रह विवरण | 31 |
| 4.2.1 | पर्यावरण जागरूकता परीक्षण के प्राप्तांकों का आवृत्ति वितरण | 33 |
| 4.2.2 | विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता का स्तर | 34 |
| 4.2.3 | ग्रामीण एवं शहरी छात्रों में पर्यावरण जागरूकता के सार्थक अंतर का विवरण। | 35 |
| 4.2.4 | छात्र एवं छात्राऐं में पर्यावरण जागरूकता के सार्थक अंतर का विवरण | 36 |
| 4.2.5 | शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्रों में पर्यावरण जागरूकता के सार्थक अंतर का विवरण। | 37 |
| 4.2.6 | पर्यावरण जागरूकता एवं विज्ञान उपलब्धि के बीच सहसंबंध का विवरण | 38 |
| 4.2.7 | पर्यावरण जागरूकता एवं सामाजिक विज्ञान उपलब्धि के बीच सहसंबंध का विवरण | 39 |


# आकृति सूची


| | | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 4.2.1 | पर्यावरण जागरूकता परीक्षण के प्राप्तांक एवं आवृत्तियों का स्तंभाकृति | 34 |